VISION IAS

www.visionias.in

2 6 DEC 2020

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1416)

Name of Candidate	SANDEEP KUMAR		
Medium Hindi/Eng.	Hindi	Registration Number	473817
Center	MN	Date	23/12/20

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	
13	20	
14	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **FOURTEEN** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें चौदह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

SECTION – A

1. **(a)** Highlighting the significance of ethical work culture, suggest ways by which it can be imbibed in an organization. **(150 words) 10**

नैतिक कार्य संस्कृति के महत्त्व को रेखांकित करते हुए, उन उपायों का सुझाव दीजिए जिनके माध्यम से इसे किसी संगठन में आत्मसात किया जा सकता है।

नैतिक कार्य संस्कृति से आशय नैतिक मानकों के आधार पर प्रबंधन का संचालन, ग्राहकों को सेवा प्रदान करना एवं कार्मिकों के प्रबंधन करने से है।

नैतिक कार्य संस्कृति को संगठन में सत्यनिष्ठा, करुणा, दया, एक-दूसरे का सम्मान एवं महिलाओं का सम्मान आदि विशेषताओं के रूप में देख सकते हैं।

नैतिक कार्य संस्कृति को संगठन में आत्मसात करने के सुझाव :-

1. कार्मिकों की नियुक्ति प्रक्रिया में वस्तुनिष्ठता के साथ मूल्यों को

को धारण करने वाले लोगों को चुना जाए।

2. नैतिक मानकों के समुच्चय को संगठन के नियमों में शामिल करना।

3. संगठन का आदर्श वाक्य कार्मिकों एवं प्रबंधन को प्रेरणा देने वाला हो।

4. कार्मिकों को प्रशिक्षण की बेहतर सुविधा हो।

5. प्रबंधन एक बेहतर नेतृत्व करता के रूप में हो जो नैतिक मानकों को आसानी से ~~उपलब्ध~~ कर समावेश कर सके।

निष्कर्षतः हम कह सकते हैं कि कार्मिकों एवं प्रबंधन का नैतिक मूल्यों एवं कार्यसंस्कृति के प्रति समर्पण ही संगठन को नैतिक मानदंडों के रूप में उत्कृष्ट बना सकता है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. (b) Upholding probity in governance is not only contingent on values of an individual but also the processes of the institution. Discuss. **(150 words) 10**

शासन में सत्यनिष्ठा बनाए रखना न केवल किसी व्यक्ति के मूल्यों पर बल्कि संस्था की प्रक्रियाओं पर भी निर्भर करता है। विवेचना कीजिए।

सत्यनिष्ठा व्यक्ति, समाज एवं राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण होता है। सत्यनिष्ठा के अभाव में भ्रष्टाचार एवं पद का दुरुपयोग के रूप में देख सकते हैं।

सत्यनिष्ठा को बनाए रखने में व्यक्ति के स्तर पर मूल्य एवं संस्था के स्तर पर कार्य संस्कृति एवं नियम महत्वपूर्ण होते हैं।

व्यक्ति के स्तर पर मूल्यों का विकास परिवार, विद्यालय एवं समाज के स्तर पर किया जाना चाहिए। संगठन में शामिल होने से पहले नैतिक मानकों का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए।

संस्था की प्रक्रियाओं के स्तर पर :-

1. कार्मिकों की नियुक्ति प्रक्रिया एवं नैतिक मूल्यों आधारित प्रशिक्षण प्रदान करके।

2. सेवा के दौरान वस्तुनिष्ठ आधार पर पदोन्नति एवं स्थानान्तर के स्पष्ट नियम हों।

3. सेवा के प्रति समर्पण भाव एवं योग्यता के आधार पर ही लोक सेवक की वार्षिक मूल्यांकन रिपोर्ट लिखी जावें।

संस्था की कार्य संस्कृति सत्यनिष्ठा को निर्मित करती है जैसे संघ लोक सेवा आयोग की कार्यप्रणाली सवालों के दायरे से बाहर है।

समग्रत: हम कह सकते हैं कि व्यक्ति एवं संस्था दोनों सत्यनिष्ठा को बढ़ावा देने हेतु महत्वपूर्ण है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (a) The nature of a business's operations has a major influence on the ethical issues with which it must contend. Giving examples, discuss how business ethics is crucial in today's world. **(150 words) 10**

व्यवसाय के परिचालन की प्रकृति का नैतिक मुद्दों पर बड़ा प्रभाव पड़ता है जबकि इन दोनों को द्वंद्वरत होना चाहिए। सोदाहरण, विवेचना कीजिए कि आज के समय में व्यावसायिक नैतिकता कैसे महत्वपूर्ण है।

व्यवसाय नैतिकता व्यवसाय के संचालन में नैतिक मूल्यों एवं विश्वासों की व्याख्या है जो संगठन के कार्यों के निर्धारण में प्रयोग में ली जाती है।

व्यवसायिक नैतिकता के मुद्दे :-

1. व्यवसायिक हित एवं निजी हित :- प्रायः लोक सेवक ~~एवं~~ लोक सेवा के बुनियादी मूल्यों एवं निजी हितों से टकराव। जैसे- लोक सेवकों द्वारा ठेकों आदि में अनियमितता का पाया जाना।

2. ग्राहकों की सुरक्षा :- ऑनलाइन कंपनियों द्वारा डेटा एवं निजता का हनन किया जाता है।

3. अधिकतम लाभ :- निजी और सार्वजनिक

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सेवा का प्रदाता भी है। शिक्षा, स्वास्थ्य आदि क्षेत्र में गरीब एवं वंचित वर्गों का कल्याण का भाव होना चाहिए। जैसे कोर्टिस हॉस्पिटल द्वारा मौत के बाद भी मरीज को भर्ती रखना।

* वर्तमान समय में व्यवसायिक नैतिकता की प्रासंगिकता :-

1. भ्रष्टाचार एवं पक्षपात रहित प्रशासन।
2. सेवाओं के वितरण में पारदर्शिता सुनिश्चित करना।
3. समावेशी विकास के लक्ष्य को प्राप्त करना।
4. महिलाओं एवं वंचित वर्गों के साथ समान व्यवहार।

समग्रत: व्यवसायिक नैतिकता एवं मूल्यों को प्राप्त करके ही विकास एवं कल्याण को समावेशी बना सकते हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. **(b)** An honest bureaucrat can be put to inconvenience but the dishonest one is more likely to suffer in the long run. Comment. **(150 words) 10**

एक ईमानदार नौकरशाह को असुविधा हो सकती है किन्तु एक बेईमान नौकरशाह को दीर्घकाल में हानि होने की अधिक संभावना होती है। टिप्पणी कीजिए।

ईमानदारी सत्यनिष्ठा का महत्वपूर्ण अवयव है। ईमानदार लोक सेवक जनहित के प्रति समर्पित होता है। जबकि बेईमान नौकरशाह स्वहित की पूर्ति को ही बड़ा लक्ष्य मानता है।

ईमानदार नौकरशाह को असुविधा :

1. स्थानान्तरण एवं निलंबन की कार्रवाई का सामना करना पड़ता है। जैसे अशोक खेमका 50 से अधिक स्थानान्तरण होना।

2. धमकियाँ मिलना :- राजनीतिक लोगों के द्वारा धमकी एवं अन्य अलो अप्रिय घटना के लिए बोलना।

हालांकि भ्रष्ट लोक सेवकों का वर्तमान समय में दीर्घकाल में नुकसान का ही सामना करना पड़ेगा –

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. पूरे जीवन भर भयग्रस्त रहना :-
गलत कार्य करने वाला व्यक्ति अंदर से डरा हुआ और भय से ग्रस्त रहता है।

2. कानून का सख्त होना :- सूचना का अधिकार एवं लोकपाल जैसे कानूनों के कारण अधिक समय तक बचना मुश्किल है।

3. अधिक धन को वर्तमान समय में छिपाना मुश्किल है। आय से अधिक संपत्ति रखना अपराध की श्रेणी में आता है।

4. राजनेताओं के अनुचित कार्यों का साधन बनना।

समग्रतः ईमानदारी एक गुण है और प्रत्येक लोक सेवक को भय रहित भावना के साथ कार्य करने हेतु आवश्यक है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (a) The notion of an ethical foreign policy downplays the realities of international politics. Critically discuss. **(150 words) 10**

एक नैतिकतापूर्ण विदेश नीति की धारणा अंतर्राष्ट्रीय राजनीति की वास्तविकताओं को कम करके आंकती है। आलोचनात्मक विवेचना कीजिए।

नैतिकतापूर्ण विदेश नीति से आशय है अपने राष्ट्रीय हितों के स्थान पर नैतिक मूल्यों के आधार पर दूसरे देशों के साथ व्यवहार करना।

नैतिकतापूर्ण विदेश नीति की अपनी सीमाएं हैं —

1. प्रत्येक देश अपने संसाधनों को दूसरे देश को के हितों की प्राप्ति ~~व~~ हेतु समर्पित नहीं कर सकता है। जैसे भारत अफगानिस्तान में सैन्य हस्तक्षेप नकारात्मक रूप से भारत को प्रभावित कर सकता है।

2. प्रत्येक देश अपने हितों को आदर्शों के नाम पर ~~हाथ~~ छोड़ नहीं सकता है जैसे अमेरिका के साथ

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

रिश्ते बनाते वक्त रूस का विरोध या इसके विपरीत।

3. राष्ट्रीय हित राष्ट्र के अस्तित्व के लिए आवश्यक है जैसे भारत आतंकवाद, तेल की आपूर्ति को विदेश नीति में महत्व देता है।

4. क्षेत्रीय सुरक्षा :- हिन्द-प्रशांत, समुद्री यातायात का निर्बाध संचरण आदि मुद्दे महत्वपूर्ण है।

5. दूसरे देश की आंतरिक राजनीति में आदर्शों के नाम पर हस्तक्षेप उचित नहीं है।

लेकिन वर्तमान विश्व में संरक्षणवाद एवं डिग्लोबलाइजेशन की प्रवृति बढ़ रही है। इसके निवारण हेतु कुछ सामान्य नियम एवं आदर्श अपने हितों को वरीयता देने से अधिक जरूरी है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. **(b)** Conscience can neither be silent nor delayed as a source of ethical guidance. Elaborate. **(150 words) 10**

नैतिक मार्गदर्शन के स्रोत के रूप में अंत:करण न तो मौन रह सकता है और न ही विलंब कर सकता है। सविस्तार वर्णन कीजिए।

नैतिक मार्गदर्शन में अंत: करण की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। मानव के व्यवहार में सही या गलत का निर्धारण अपने आंतरिक मन की भावना के आधार पर करना।

अंत: करण की भूमिका :-

1. अंत: करण के समक्ष कोई कानूनी बाध्यता नहीं होती है।
2. अंत: करण व्यक्ति के प्रत्येक कार्य का पर्यवेक्षक होता है।
3. अंत: करण के समक्ष गलत कार्य के प्रति अपराधबोध होता है।
4. अंत: करण कानून के नियमन के स्थान पर स्वनियमन को

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

बढ़ावा देता है।

अंत: करण के मार्गदर्शन की सीमा :-

1. अंत: करण का निर्माण समाजीकरण की प्रक्रिया में होता है। यह कई बार गलत कार्यों को भी उचित मानता है जैसे खाप पंचायत के निर्णय।

2. प्रत्येक व्यक्ति अंत: करण के द्वारा नियंत्रित होगा तो अराजकता की स्थिति पैदा हो जाएगी।

3. अंत: करण में अपराध बोध होते हुए भी लालच के वश में आकर कार्य करना।

अत: कानूनों की मान्यता समाज के संचालन हेतु आवश्यकता है। न्यायपालिका को त्वरित न्याय प्रदान करके तार्किक एवं ज्ञान आधारित समाज को बढ़ावा देना चाहिए। शिक्षा को नैतिक मूल्यों से युक्त करके अंत: प्रज्ञा में सुधार करना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. Given below are quotations of moral thinkers/philosophers. Bring out what they mean to you in the present context:

नीचे नैतिक विचारकों/दार्शनिकों के उद्धरण दिए गए हैं। वर्तमान संदर्भ में आपके लिए उनके क्या अर्थ हैं, स्पष्ट कीजिए:

(a) To educate a person in the mind but not in morals is to educate a menace to society. — Theodore Roosevelt **(150 words) 10**

किसी व्यक्ति को बौद्धिक रूप से शिक्षित करना, किंतु नैतिक रूप से नहीं, समाज के लिए एक खतरे को शिक्षित करना है। - थियोडोर रूज़वेल्ट

शिक्षा प्रत्येक व्यक्ति को ज्ञान, मूल्यों एवं नैतिकता से युक्त बनाने में सहायक होती है। शिक्षा से प्राप्त कौशल व्यक्ति के सर्वांगीण विकास में सहायक होता है।

मेरे अनुसार नैतिकता विहीन शिक्षा अज्ञानी होने से अधिक खतरनाक है जैसे ओसामा बिन लादेन ने इंजीनियरिंग का गलत तरीके से उपयोग किया। वह पूरे विश्व शांति को खतरा में डाल दिया।

<u>नैतिकता शिक्षा में क्यों आवश्यक है:</u>

1. बालक का परिवार के बाद सर्वाधिक समाजीकरण विद्यालय में होता है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

शिक्षा के माध्यम से नैतिक नागरिक बना सकते हैं।

2. तकनीकी का सदुपयोग :- साइबर अपराध, सोशल मीडिया का दुरुपयोग जैसी चुनौतियों का समाधान नैतिक शिक्षा है।

3. लिंग एवं जाति के भेदभाव को कम कर सकते हैं।

4. सहिष्णु एवं तार्किक नागरिकों का निर्माण कर सकते हैं।

5. देश में भ्रष्टाचार, भाई भतीजावाद एवं करों की चोरी जैसे आर्थिक अपराध पर नियंत्रण।

अतः राष्ट्र, समाज एवं व्यक्ति का उत्थान नैतिक शिक्षा के माध्यम से ही कर सकते हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(b)** Right is right even if no one is doing it; wrong is wrong even if everyone is doing it. — Saint Augustine **(150 words) 10**

सही सही है, भले ही कोई भी ऐसा न कर रहा हो; गलत गलत है भले ही हर कोई ऐसा कर रहा हो। - सेंट ऑगस्टीन

सही और गलत का निर्धारण किसी करने या न करने से तय नहीं होता है। किसी कार्य को करने को पीछे जन हित, करुणा, दया, सेवा एवं समाज एवं संविधान के मूल्यों के आधार पर सही या गलत का निर्धारण करते है।

मेरे अनुसार सही कार्य अल्प काल हेतु अधिक प्रभावशाली नहीं हो बल्कि दीर्घकाल हेतु अधिक परिवर्तनकारी होते है क्योंकि :-

1. समाज में परिवर्तन सकारात्मक एवं आशावान सही कार्यों से ही होते हैं जैसे गांधी जी का अहिंसा का सिद्धांत।

2. किसी भी कार्य का मूल्यांकन लोक

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

हित, वंचित वर्गों के कल्याण एवं महिलाओं के सम्मान जैसे मूल्यों के आधार पर देख सकते हैं।

3. गलत कार्य क्षणिक आकर्षण के गुण के साथ होते हैं जैसे ऑनलाइन गेम के माध्यम से साहस के नाम आत्महत्या करवाना।

4. अतार्किक एवं गलत कार्य अंधविश्वास एवं शोषण की प्रवृत्तियों को बढ़ावा देते हैं।

वर्तमान में प्रासंगिकता
- महिलाओं को शिक्षा व रोजगार दो
- दिव्यांग एवं सुभेद्य वर्गों को कल्याण
- शासन में पारदर्शिता, जवाबदेही जैसे गुण।

अतः सही कार्यों के प्रभाव हमेशा सकारात्मक एवं राष्ट्र के लिए लाभदायक होते हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (a) "Children are great imitators, so give them something great to imitate." In this context, discuss the importance of role models in inculcating values in children. (150 words) 10

"बच्चे उत्कृष्ट अनुकरण करने वाले होते हैं, इसलिए उन्हें अनुकरण करने के लिए कुछ बहुत उत्कृष्ट दीजिए।" इस संदर्भ, में बच्चों में मूल्यों को अन्तःस्थापित करने में अनुकरणीय व्यक्तियों (रोल मॉडल्स) के महत्व की विवेचना कीजिए।

बच्चे किसी भी समाज एवं राष्ट्र का भविष्य होते हैं। बच्चों में सर्वाधिक सीखने की प्रक्रिया अनुकरण ही है।

बच्चे माता-पिता, परिवार, शिक्षक एवं राष्ट्र के महत्वपूर्ण व्यक्तियों से सीखते हैं। रोल मॉडल्स से बच्चे निम्न प्रकार से सीखते हैं :-

1. बच्चों में सही या गलत का निर्धारण ~~करना~~ माता-पिता एवं अन्य महत्वपूर्ण व्यक्ति से सीखते हैं।

2. माता-पिता के द्वारा मौखिक शिक्षा की तुलना में व्यवहार से अधिक अनुकरण करते हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. युवा खिलाड़ी एवं अभिनेताओं के अच्छे गुणों से भी बच्चे अनुकरण करते हैं।

4. मीडिया के माध्यम स्वतंत्रता आंदोलन के नेताओं की जीवनी पर कार्यक्रम बनाने चाहिए। यह भी बच्चों के समाजीकरण में महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करेगी।

5. दया, करुणा, सेवा एवं दिव्यांगों के प्रति सहानुभूति एवं करुणा जैसे भाव बचपन से ही विकसित करने चाहिए।

अतः बच्चों का बेहतर समाजीकरण करके ही हम अच्छे प्रशासक, राजनेता एवं नागरिक बना सकते हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. **(b)** The Covid-19 pandemic has brought with itself an environment of uncertainties and hardships. In this context, discuss the significance of emotional intelligence in dealing with the situation. **(150 words) 10**

कोविड-19 महामारी अपने साथ अनिश्चितताओं और कठिनाइयों से भरा वातावरण लेकर आई है। इस संदर्भ में, इस स्थिति से निपटने में भावनात्मक बुद्धिमत्ता के महत्व की विवेचना कीजिए।

भावनात्मक बुद्धिमता स्वयं की भावनाओं के साथ दूसरों की भावनाओं को समझना, प्रबंधित करना एवं उनके अनुसार व्यवहार करने से संबंधित है।

कोविड-19 महामारी ने आर्थिक रूप से बेरोजगारी, आय को प्रभावित एवं भोजन की समस्या के रूप में एवं सामाजिक रूप से एकाकीपन, कुंठा एवं मानसिक रोगों में वृद्धि की है।

भावनात्मक बुद्धिमता कोविड-19 की नकारात्मकता को कम करने में महत्वपूर्ण हो सकती है जैसे -

1. अपने एवं परिवार को के सदस्यों को निराशा से बचाना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. कोविड - 19 के समाजिक भय को समय के सदुपयोग के माध्यम से रचनात्मक दिशा में बदलना। इसके लिए पुस्तक पढ़ने में रुचि पैदा कर सकते हैं।

प्रशासन के स्तर पर :-

1. कोरोना काल के समय नियम एवं गृह मंत्रालय के मानकों की पालना करवाना।
2. स्वास्थ्य एवं अधीनस्थ कार्मिकों को अभिप्रेरणा से युक्त रखना।
3. सरकार की रोजगार प्रदान करने वाली योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन।

अत: भावनात्मक बुद्धिमता के माध्यम से कोरोना के प्रभावों को कम किया जा सकता है यह आपदा को अवसर में बदलने में भी महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. Bring out the role of social media in shaping one's moral and political attitude. **(150 words) 10**

किसी व्यक्ति की नैतिक और राजनीतिक अभिवृत्ति को आकार देने में सोशल मीडिया की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

अभिवृत्ति किसी वस्तु, घटना एवं व्यक्ति के प्रति सकारात्मक एवं नकारात्मक व्यवहार करने की प्रवृत्ति है।

सोशल मीडिया से आशय इंटरनेट पर विद्यमान विभिन्न प्लेटफोर्म जैसे फेसबुक, ट्विटर एवं जैसे माध्यमों से सूचनाओं का आदान प्रदान है।

सोशल मीडिया द्वारा नैतिक अभिवृत्ति :

सकारात्मक	नकारात्मक
→ किसी की त्वरित मदद हेतु सूचना का प्रसार जैसे कोरोना काल एवं अन्य आपदा में जरूरतमंद की मदद।	→ सोशल मीडिया द्वारा किसी व्यक्ति को अपराधी घोषित करना। जैसे हैदराबाद में बलात्कार के आरोपियों के संदर्भ में।
→ साहित्यिक रचनाओं के बारे में जानकारी।	
→ सूचना की त्वरित गति	→ सामाजिक मनोविज्ञान

एवं प्रशासन का अधिक अनुक्रियाशील बनाता है।
जैसे - विदेश मंत्रालय का ट्विटर द्वारा मदद मुहैया करवाना।

का दुरुपयोग करना।
→ महिलाओं एवं बच्चों का भावनात्मक शोषण जैसे

राजनीतिक मनोवृत्ति एवं सोशल मीडिया

सकारात्मक

→ राजनीतिक दलों एवं प्रत्याशियों के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करना।
→ राजनीतिक रूप से मोबिलाइज होना जैसे किसान आंदोलन।

नकारात्मक

- पेड न्यूज, एवं सोशल मीडिया का दुरुपयोग जैसे फेसबुक एवं कैम्ब्रिज एनालिटिका के मामले में।

अतः सोशल मीडिया के नकारात्मक एवं सकारात्मक दोनों पहलू हैं। आवश्यकता है लाभों को अधिकतम करना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. Environmental ethics is about the moral relationship of human beings to, and also the value and moral status of, the environment and its non-human contents. Elaborate. **(150 words) 10**

पर्यावरणीय नीतिशास्त्र पर्यावरण एवं उसकी गैर-मानवीय विषयवस्तु के मूल्य और नैतिक स्थिति के साथ ही उसके साथ मनुष्यों के नैतिक संबंध के विषय में भी है। सविस्तार वर्णन कीजिए।

पर्यावरणीय नीतिशास्त्र से आशय सतत विकास एवं पर्यावरण संरक्षण से है। सतत कि इसके माध्यम से भावी पीढ़ी को भी गुणवत्तापूर्ण पर्यावरणीय सुविधा उपलब्ध करवाना है।

पर्यावरण एवं मनुष्य के संबंध :

1. पर्यावरण संरक्षण मनुष्य के जीवन हेतु आवश्यक है। आदिवासी एवं वनवासीयों के लिए आजीविका का स्त्रोत है जैसे स्वच्छ जल एवं दवाइयाँ का स्त्रोत।

2. पर्यावरण संरक्षण मनुष्य को बीमारियों से भी बचाता है। कोरोना महामारी अत्यधिक अंत:क्रिया का ही परिणाम है।

3. जैव विविधता एवं वन्य जीवों की सुरक्षा

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

पृथ्वी पर जीवन हेतु आवश्यक है।

4. सांस्कृतिक महत्व भी है।

5. पर्यावरण का संरक्षण मानवीय जीवन हेतु अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रयास करना चाहिए जैसे ग्लोबल वार्मिंग आदि।

6. संसाधनों का संरक्षण एवं हरित तकनीकी का विकास करना चाहिए।

समग्रत: हम कह सकते हैं कि पर्यावरण संरक्षण / नीतिशास्त्र पर्यावरण एवं गैर मानवीय विषयवस्तु के मूल्यों के साथ मानव का नैतिक उत्तरदायित्व भी है। पर्यावरण संरक्षण के माध्यम से ही भावी पीढ़ी को सुरक्षा प्रदान की जा सकती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. The Citizens' Charter cannot be an end in itself; it is rather a means to an end. Discuss. (150 words) 10

नागरिक चार्टर अपने आप में साध्य नहीं हो सकता; बल्कि यह एक साध्य का साधन है। विवेचना कीजिए।

नागरिक चार्टर का आशय किसी संगठन द्वारा समयबद्ध रूप से मानक सेवा प्रदान करने का अपने ग्राहकों से वायदा है।

नागरिक चार्टर साधन :

1. नागरिकों को प्रदान की जाने वाली सेवाओं की गुणवत्ता एवं समयबद्धता को सुनिश्चित करना।
2. शिकायतों का समाधान हेतु तंत्र का निर्माण करना।
3. सुधार हेतु सुझाव को आमंत्रित करना।
4. नागरिकों/ग्राहको को संगठन की मंशा से अवगत करवाना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

नागरिकों के कल्याण हेतु एवं सेवा का प्रदान करने हेतु नागरिक चार्टर एक साधन है इसलिए केन्द्र सरकार सेवोत्तम मॉडल एवं नागपुर संकल्प को अपनाया है। इसके अतिरिक्त CPGRAM, सामाजिक अंकेक्षण एवं नागरिक सहभागी model को भी अपनाने पर बल देना चाहिए

2nd ARC ने भी नागरिक चार्टर को सेवा वितरण में सात सुधारों में से एक माना है

अतः साध्य नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदान करना है इसमें अनेक साधनों में से नागरिक चार्टर भी एक है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – B

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

9. You are the District Magistrate of district, which has recently witnessed rapid transmission of the Covid-19 pandemic. The district has high population density and a sizeable chunk of migrant workers. There has been a shutdown of business activities and the workers are yearning to go back to their native places. The administration has announced a strict lockdown and divided the district into containment zones. There is a severe shortage of people, material and money in the administration and fear and panic is seen to be gripping them.

(a) What are the qualities of a civil servant that are revealed in such testing times?

(b) What measures would you suggest for:

(i) Dealing with the current issue.

(ii) Making the district administration more resilient to respond to such a critical situation in the future. **(20)**

हाल ही में, आप कोविड-19 महामारी के तीव्र संचरण से पीड़ित एक जिले के जिलाधिकारी हैं। जिले में जनसंख्या घनत्व अधिक है और काफी संख्या में प्रवासी श्रमिक हैं। व्यावसायिक गतिविधियाँ बंद हो गई हैं और श्रमिक अपने मूल स्थानों पर वापस लौटना चाहते हैं। प्रशासन ने सख्त लॉकडाउन की घोषणा की है और जिले को संरोधन क्षेत्रों (कन्टेनमेंट ज़ोन्स) में बांट दिया है। प्रशासन में लोगों, सामग्री और धन की भारी कमी है और उनमें भय व्याप्त होता हुआ प्रतीत हो रहा है।

(a) ऐसी परीक्षा की घड़ी में एक सिविल सेवक में प्रकट होने वाले गुण कौन-से हैं?

(b) आप किन उपायों का सुझाव देंगे:

(i) वर्तमान मुद्दे से निपटना।

(ii) भविष्य में ऐसी गंभीर स्थिति के प्रति अनुक्रिया देने के लिए जिला प्रशासन को और अधिक लचीला बनाना।

दी गई केस स्टडी कोरोना महामारी के दौरान भय एवं आजीविका के संकट को बताती है। इस संदर्भ में जिला प्रशासन को अग्रिम पंक्ति में रहकर चुनौतियों का समाधान करना होगा।

हितधारक
- प्रवासी श्रमिक
- स्वास्थ्य विभाग
- जिला प्रशासन
- औद्योगिक इकाईयाँ

सिविल सेवक के गुण :-

1. साहस एवं धैर्य :- प्रतिकूल परिस्थितियों में धैर्य के साथ निर्णय एवं प्रवासियों की समस्या का सुनना होगा।

2. सहानुभूति एवं करुणा :- प्रवासी श्रमिकों की समस्या को समझकर कार्य करना होगा। इनको भोजन एवं अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध करवानी होगी।

3. भावनात्मक बुद्धिमता के साथ मजदूरों के भय का निस्तारण करना होगा।

4. नियमों के सख्त पालना की बजाय रचनात्मक विचारों के आदान-प्रदान से समस्या का निस्तारण की कोशिश करनी होगी।

वर्तमान मुद्दे से निपटने हेतु सुझाव :-

1. परीक्षण पर बल देना :- कोरोना से संक्रमण के फैलाव को रोकने हेतु कोरोना की जाँच बढ़ाना होगा।

2. कोरोना मानकों का पालना :- भीड़ को समझाकर दोगज दूरी मास्क है जरूरी नियमों की पालना करवाना होगा।

3. आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति :- – भोजन, वस्त्र, दवाओं की आपूर्ति सुनिश्चित करवाऊँगा।

4. मनोवैज्ञानिक सहायता उपलब्ध करवाना :-

- चुरु जिले की पुलिस अधीक्षक ने योगा, संगीत एवं स्थानीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से लोकडाउन का प्रभावी क्रियान्वयन किया।

5. उद्योगपति एवं फर्म के मालिकों को मजदूरों की सहायता हेतु बोलना। उनको अपनी नैतिक जिम्मेदारी का अहसास कराना।

6. समाज के गणमान्य व्यक्तियों की मदद लेना।

भविष्य में ऐसी गंभीर स्थिति के प्रति अनुक्रिया देने के लिए जिला प्रशासन को और अधिक लचीला बनाना :-

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. स्वास्थ्य विभाग एवं स्वास्थ्य अवसंरचना पर बल देना जिससे लोगों को स्वास्थ्य सुविधा पा बल दिया जाये।

2. प्रशासन में समन्वय की कोशिश हेतु प्रशिक्षण एवं अन्य उपाय करना।

3. फेक न्यूज हेतु अनेक को नियंत्रण हेतु अनेक प्रयास करना।

4. डिजिटल अवसंरचना को मजबूत करना।

समग्रत: रूप में इस समस्या के निवारण हेतु लोगों की भागेदारी एवं स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करूंगा। इस संकट के माध्यम से जो सीख मिलेगी उनको भविष्य में भी काम लिया जा सकता है।

10. In recent times, the country witnessed protests based on opposition to some steps taken by the government. Whereas, mostly these were peaceful protests, at a few places these activities turned violent leading to destruction of public property. In some places government arrested few of the protesters and imposed heavy fines on them for the destruction of the property. In case they could not pay, their private property was confiscated by the government to pay for the damage done to the public property. In addition to this, some governments published the photographs, names and addresses of those accused of vandalism during protests at various locations.

(a) What are the issues of public importance at stake in this case?

(b) Are their any ethical or legal principles at play here which may be conflicting?

(c) What should be the principles guiding a democratic state in such circumstances? **(20)**

हाल के दिनों में, देश में सरकार द्वारा उठाए गए कुछ कदमों के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन देखा गया। जहाँ, अधिकतर विरोध प्रदर्शन शांतिपूर्ण थे, वहीं कुछ स्थानों पर हिंसक गतिविधियां हुईं, जिसके कारण सार्वजनिक संपत्ति का नुकसान हुआ। कुछ स्थानों पर सरकार ने कुछ प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया और संपत्ति के नुकसान के लिए उन पर भारी अर्थदंड लगाया। यदि वे भुगतान नहीं कर पाए, तो सरकार द्वारा सार्वजनिक संपत्ति को हुई हानि के लिए भुगतान करने हेतु उनकी निजी संपत्ति को जब्त कर लिया गया। इसके अतिरिक्त कुछ सरकारों ने विभिन्न स्थानों पर विरोध प्रदर्शन के दौरान गुंडागर्दी के आरोपी लोगों की तस्वीर, नाम और पते प्रकाशित किए।

(a) इस प्रकरण में दांव पर लगे सार्वजनिक महत्व के मुद्दे क्या हैं?

(b) क्या यहां परस्पर विरोधी हो सकने वाले नीतिशास्त्रीय या विधिक सिद्धांतों की भूमिका है?

उपर्युक्त प्रकरण हिंसक प्रदर्शन के बाद सार्वजनिक संपत्ति की ~~जब्ती से संबंधित~~ है। नुकसान पहुँचाने वाले लोगों से क्षतिपूर्ति के रूप में राशि लेने से संबंधित है। इसमें आरोपी लोगों की गोपनीयता पर भी ~~x~~ सवाल उठाए हैं।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

हितधारक →
- सार्वजनिक संपत्ति के संरक्षण के रूप में राज्य
- प्रशासन
- उक्त प्रदर्शन के आरोपी जिनकी फोटो आदि प्रकाशित की हैं।

हाल ही में नागरिकों द्वारा हिंसक विरोध प्रदर्शन की घटनाएं बढ़ी हैं। यह राज्य की कानून व्यवस्था, अन्य नागरिकों की स्वतंत्रता एवं संपत्ति की सुरक्षा के मुद्दे निहित करती है।

इस प्रकरण में सार्वजनिक महत्व के मुद्दे :-

1. राज्य न्यायाधीकरण की तरह कार्य कर रहा है। यह कार्यपालिका को अत्याधिक शक्ति देता है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. पुलिस प्रशासन की हिंसक गतिविधियों को कार्यवाही से संरक्षण भी राज्य द्वारा दिया जा सकता है।

3. सार्वजनिक रूप से फोटो, नाम आदि निजता का अधिकार एवं जीवन की सुरक्षा को प्रभावित कर सकता है।

4. सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाने वाले लोगों की पहचान भी सावधानी के साथ करनी चाहिए।

नीतिशास्त्र के मुद्दे :-

1. सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा
2. विरोध प्रदर्शन का अधिकार
3. अन्य नागरिक के अधिकारों की रक्षा

5. प्रशासन का भीड़ प्रबंधन

नीतिशास्त्र या विधिक सिद्धांत :-

लोकतंत्र में असहमति, आंदोलन एवं वाद-विवाद आवश्यक है। लेकिन यह संविधान के दायरे में एवं अहिंसक होना चाहिए। इसके लिए सर्वोच्च न्यायालय ने भी विभिन्न वादों में निर्देश दिए हैं।

1. शांतिपूर्ण आंदोलन हेतु शहर में स्थान प्रदान करवाना व कानून व्यवस्था को बनाए रखना।

2. संपत्ति के जब्त करने जैसे मामलों में विधिकी सम्यक् प्रक्रिया का पालन किया जाए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. तथ्यों के आधार पर निर्णय किया जाना चाहिए।

अतः संविधान द्वारा अनुच्छेद 19 के द्वारा प्रदत्त अधिकार शांतिपूर्ण आंदोलन एवं विरोध प्रदर्शन हेतु है। लोगों को सार्वजनिक संपत्ति को अपनी स्वयं की संपत्ति समझकर व्यवहार करना चाहिए।

11. The global toll of the COVID-19 pandemic is enormous: more than a half-million lives lost, hundreds of millions out of work, and trillions of dollars of wealth destroyed. And the disease has by no means run its course. There is tremendous interest in the development of a vaccine, with more than a hundred initiatives under way around the world.

Even if one or more vaccines emerge that promise to make people less susceptible to COVID-19, the public-health problem will not be eliminated. But policymakers can avert some foreseeable problems by starting to address key questions about financing and distribution now.

In view of the above scenario, answer the following questions:

(a) Identify the different stakeholders involved in this scenario.

(b) Identify some of the ethical questions and issues that are likely to emerge as the vaccine becomes available.

(c) Who, in your opinion, should be amongst the first recipients of the vaccine? Give reasons for your answer. **(20)**

वैश्विक स्तर पर कोविड-19 महामारी से प्रभावित लोगों की संख्या अत्यधिक है: 5 लाख से अधिक मौतें हुई हैं, करोड़ों लोगों के रोज़गार चले गए और अरबों डॉलर की धन संपत्ति नष्ट हो गई है। और अभी भी इस रोग का निर्बाध प्रसार जारी है। टीके के विकास में वैश्विक स्तर पर अत्यधिक रुचि प्रदर्शित की जा रही है। इस दिशा में सम्पूर्ण विश्व में सौ से अधिक पहलें चल रही हैं।

यहां तक कि यदि लोगों को कोविड-19 के प्रति कम सुभेद्य बनाने की संभावना वाले एक या अधिक टीके उभरकर सामने आते हैं, तो भी सार्वजनिक स्वास्थ्य की समस्या समाप्त नहीं होगी। लेकिन नीति-निर्माता अभी वित्तपोषण और वितरण के संबंध में महत्वपूर्ण प्रश्नों का समाधान आरंभ करके कुछ पूर्वानुमेय समस्याओं को घटित होने से रोक सकते हैं।

उपर्युक्त परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए, निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए:

(a) इस परिदृश्य में सम्मिलित विभिन्न हितधारकों की पहचान कीजिए।

(b) टीका उपलब्ध होते ही उभर सकने वाले कुछ नैतिक प्रश्नों और मुद्दों की पहचान कीजिए।

(c) आपकी राय में टीके का पहला प्राप्तकर्ता किन्हें होना चाहिए? अपने उत्तर के समर्थन में कारण बताइए।

दी गई केस स्टडी कोरोना महामारी के प्रसार से संबंधित है। कोरोना महामारी के बाद टीके के इच्छतम

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

उपयोग के बेहतर उपयोग एवं अधिक जरूरतमंद तक कैसे पहुँचाया जाए-

(a) संबंधित हितधारक

→ सामान्य जनता - 800 करोड़ लोगों तक टीके की उपलब्धता एवं पहुँचाना एक चुनौती है।

→ स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े लोग

→ राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य संगठन

→ राष्ट्रीय सरकार

→ टीका विकसित करने वाले संस्थान

(b) टीका उपलब्ध होते ही उभर सकने वाले कुछ नैतिक प्रश्नों और मुद्दों की पहचान कीजिए:-

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. टीके की प्रभावशीलता :- टीके के विकसित होने के बाद कितने समय तक प्रभावी रहेगा। इसके प्रत्येक आयुवर्ग पर क्या प्रभाव होंगे।

2. टीके के परिणाम :- टीके लगवाने के बाद नकारात्मक परिणाम कैसे और क्या होंगे।

3. टीका निर्माण करने वाली कंपनियों के लाभ एवं लागत संबंधी मुद्दा महत्वपूर्ण है। टीकों के रिसर्च एवं निर्माण पर अत्यधिक धन व्यय होगा। सभी को वहनीय दरों पर टीका उपलब्ध करवाना भी आवश्यक है।

3. राजनीतिक चिंता :- अमेरिका जैसे

Call us : 8468022022, 9019066066 Visit us : www.visionias.in

राष्ट्र वैक्सीन राष्ट्रवाद को बढ़ावा दे रहे है। इससे अमीर एवं गरीब देशों में टीका की उपलब्धता प्रभावित होगी।

4. वृद्ध एवं सुभेद्य लोगों को टीका के प्रति क्या प्रतिक्रिया होगी।
5. टीका को भारत जैसे प्रत्येक देश में पहुँचाने हेतु आधारभूत संरचना का अभाव है।
6. 8 अरब लोगों का टीकाकरण एक चिंता का विषय है।

अतः इस संदर्भ में अनेक चिंताएँ विद्यमान है। आने वाले समय एवं महामारी के प्रति टीका की प्रभावशीलता ही बताएगी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

टीका लगाने में प्राथमिकता का निर्धारण :-

1. स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित ~~व्यक्ति~~ कार्मिक
2. पुलिस एवं नागरिक प्रशासन से संबंधित कार्मिक।
3. ~~नगरीय~~ आपदा प्रबंधन जैसे अग्निशमन एवं आपदा राहत कर्मी आदि का टीकाकरण किया जाना चाहिए।
4. कोरोना के प्रति संवेदनशील लोगों को प्राथमिकता देनी चाहिए जैसे ~~सुभी वृद्ध~~ वृद्ध लोग...।

अतः WHO ने भी इस संदर्भ में सरकार को एक निर्देश जारी किया है। भारत सरकार ने 6 करोड़ लोगों को प्रथम चरण में टीकाकरण हेतु चिह्नित भी किया है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. You are the head of a PSU, which has recently been entrusted with construction of a new airport in a metropolitan city. However, the area in the immediate neighbourhood of the proposed airport runways have large tracts of land occupied by dense slum settlements. If the airport is to be constructed, approximately 75,000 slum families will have to be humanly rehabilitated. The sheer scale of this rehabilitation, almost similar to an urban renewal, has thrown up many challenges. Foremost among these is identifying an appropriate location for rehabilitation of slum dwellers. You are faced with the following options in this regard, each of which have their own merits and demerits:

(a) There is no reasonably priced land in close vicinity of the present slums. A vacant parcel of land that you have identified close-by will have to be developed afresh along with all civic amenities, and this will entail huge cost for the PSU.

(b) There is another location, which is very far-off where a factory once stood. All the required civic amenities are in place here and the factory can be converted into appropriate houses at little cost to the PSU. However, there will be loss of livelihood on relocation to this area because of its distance from the current slum location.

(c) There is yet another site, which can be used for rehabilitation at reasonable cost. Neither is it too far nor will it entail huge monetary cost, but exercising this option involves cutting a large number of trees, which may adversely affect the ecology of the area. This is likely to face resistance from environmental groups.

Given the above options and the associated challenges, which of these sites will you choose for rehabilitation of slum dwellers? Provide adequate justification for your choice. **(20)**

आप एक सार्वजनिक उपक्रम (PSU) के प्रमुख हैं, जिसे हाल ही में एक महानगर में एक नए विमान पत्तन या हवाई अड्डे के निर्माण का काम सौंपा गया है। परन्तु, प्रस्तावित विमान पत्तन के ठीक पड़ोस के क्षेत्र में भूमि के बड़े भाग पर घनी मलिन बस्तियों का कब्जा है। यदि विमान पत्तन का निर्माण करना है तो लगभग 75,000 मलिन बस्ती के परिवारों का मानवीय तरीके से पुनर्वास करना होगा। इतने बड़े पैमाने पर पुनर्वास लगभग एक शहरी पुनर्स्थापन के समान है, जो कई चुनौतियों को खड़ा करता है। इसमें सबसे पहली चुनौती है। मलिन बस्ती वासियों के पुनर्वास के लिए उपयुक्त स्थान की पहचान करना। इस संबंध में आपके सामने निम्न विकल्प हैं, जिनमें प्रत्येक की अपनी योग्यता और अयोग्यता है:

(a) वर्तमान मलिन बस्तियों के निकट सानिध्य में कोई उचित कीमत की भूमि नहीं है। एक खाली भू-खंड जिसकी आपने निकट के क्षेत्र ही में पहचान की है, उसे सभी नागरिक सुविधाओं के साथ नए सिरे से विकसित करना होगा। सार्वजनिक उपक्रम (PSU) हेतु इसकी लागत अत्यधिक होगी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b) बहुत दूर स्थित एक और स्थान है जहां कभी एक फैक्ट्री स्थापित थी। यहां सभी आवश्यक नागरिक सुविधाएं मौजूद हैं और फैक्ट्री को उपयुक्त मकानों में परिवर्तित किया जा सकता है जिसमें सार्वजनिक उपक्रम (PSU) को कम लागत आएगी। परन्तु, इस क्षेत्र में पुनर्स्थापन से आजीविका या रोजगार का नुकसान होगा क्योंकि यह मलिन बस्तियों के वर्तमान स्थान से बहुत दूर है।

(c) एक अन्य स्थान भी है जिसका उपयोग उचित लागत पर पुनर्वास के लिये किया जा सकता है। न तो यह बहुत दूर है और न ही इसमें अत्यधिक धन की आवश्यकता है, लेकिन इस विकल्प के प्रयोग में बड़ी संख्या में वृक्षों को काटना पड़ेगा जो क्षेत्र की पारिस्थितकी को विपरीत रूप से प्रभावित कर सकता है। इसमें पर्यावरण समूहों के प्रतिरोध का सामना करना पड़ सकता है।

उपर्युक्त विकल्पों और संबंधित चुनौतियों के परिपेक्ष्य में मलिन बस्ती वासियों के पुनर्वास के लिए आप इनमें से किस स्थान का चयन करेंगे? अपने चयन के समर्थन में यथोचित प्रमाण प्रस्तुत कीजिए।

उपर्युक्त प्रकरण विकास की गतिविधियों के कारण विस्थापन से संबंधित है। विमान पत्तन का विकास देश की अर्थव्यवस्था एवं शहरों के विकास हेतु आवश्यक है।

हितधारक –

→ PSU के प्रमुख के रूप में मैं स्वयं।

→ 7500 मलिन बस्ती के परिवार

→ राज्य सरकार जो हवाई अड्डे के विकास एवं भूमि आवंटन से जुड़ी है

→ विमान पत्तन के विकास से संपूर्ण शहर को सुविधा मिलेगी।

→ पर्यावरण संबंधी चिंता

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

विकल्प – A

लाभ :-

2.
1. इस प्रकरण में आजीविका, बच्चों की शिक्षा जैसी सुविधाओं पर विस्थापन का सबसे कम प्रभाव पड़ेगा।

हानि :-

→ यह लागत अधिक होने के कारण PSU के लिए अलाभकारी होगा।

→ अधिक लागत बढ़ी हुई कीमत उपभोक्ता से ही लेगी। अंतिम रूप से विमान पतन कम लाभकारी होगा।

विकल्प – B :-

लाभ :

1. PSU को कम लागत आएगी।

2. पुराने भवन का भी सदुपयोग हो सकेगा।
3. ~~कं~~ विस्थापित लोगों को गुणवत्तापूर्ण आवास मिल सकेंगे।

हानि :-
1. लोगों की आजीविका प्रभावित होगी।
2. बच्चों की शिक्षा एवं अन्य सुविधाओं के लिए नए विकल्प तलाशने होंगे।

विकल्प - C :-

लाभ :-
1. लागत प्रभावी विकल्प है।
2. आजीविका एवं बच्चों की शिक्षा प्रभावित नहीं होगी।

हानि :-
1. पर्यावरण को नुकसान होगा।
2. शहरी क्षेत्र में हरियाली का संरक्षण लोगों के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

मेरे अनुसार विकल्प B एवं विकल्प C बेहतर हैं। लेकिन इसमें से विकल्प-C का चयन करूंगा।

इसके लिए कुछ आवश्यक प्रावधान करने होंगे :-

1. Floor Area Index को बढ़ाकर कम से कम पेड़ को काटने पर बल दूंगा।
2. पर्यावरण के नुकसान का प्रभावी मूल्यांकन करूंगा।
3. जितने वनों का नुकसान होगा उनको अन्यत्र कहीं स्थान पर विस्थापित एवं नए सिरे लगवाए जाएं।
4. शहर में सड़क, metro रेल की

पटरियों के किनारे वृक्षारोपण के माध्यम से भी क्षतिपूर्ति की जाए।

समग्रतः हम कह सकते हैं कि आर्थिक विकास एवं पर्यावरण को साथ लेकर ही आगे बढ़ना होगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. You are an Indian Forest Service Officer posted in a division which falls in the coastal regulation zone and contains multiple wildlife sanctuaries. Recently, the State government has brought up a proposal of a new food processing park in your division. Under the proposal, around 175 square kilometers of forest land will be acquired as per the law. The developers of the project claim the various socio-economic benefits it can provide to the people in the area. Due to this a sizeable chunk of trees will be uprooted. There are studies which suggest that such initiatives have a long-term impact on wildlife and also leads to human-wildlife conflict. Some residents living in the periphery of the forest have supported this move in hope of employment opportunities. However, traditional dwellers of the forests have protested against this move. The government has constituted a committee to frame guidelines for sustainable operation of this project. The committee has asked for your suggestions in this regard.

(a) Identify the principles and values that would guide your suggestions in this regard.

(b) What course of action should be taken in order to balance the social and environmental needs in this case? **(20)**

आप भारतीय वन सेवा के एक अफसर हैं और ऐसे मंडल या डिवीज़न में पदस्थापित हैं जो तटवर्ती विनियमन क्षेत्र में आता है और जिसमें कई वन्यजीव अभयारण्य हैं। हाल ही में, राज्य सरकार द्वारा आपके मंडल या डिवीजन में एक नए खाद्य प्रसंस्करण पार्क की स्थापना प्रस्तावित की गयी है। इस प्रस्ताव के अंतर्गत लगभग 175 वर्ग किलोमीटर वन भूमि के विधिक अधिग्रहण की आवश्यकता पड़ेगी। परियोजना के विकासकर्ताओं (डेवलपर्स) ने इसके विभिन्न सामाजिक-आर्थिक लाभों का दावा किया है जो इस क्षेत्र के लोगों को उपलब्ध कराया जा सकता है। इसके कारण वृक्षों के एक बड़े हिस्से को जड़ से हटाना पड़ेगा। ऐसे अध्ययन हैं जिनमें यह बताया गया है कि ऐसी पहलों से वन्यजीवन पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ता है, इसके अतिरिक्त यह मनुष्य-वन्यजीव संघर्ष को उत्पन्न करती हैं। वन की बाह्य परिधि पर रहने वाले कुछ निवासियों ने रोजगार अवसरों की उम्मीद में इस प्रस्ताव का समर्थन किया है। परन्तु, वनों के पारंपरिक निवासियों ने इस प्रस्ताव का विरोध किया है। सरकार ने इस परियोजना के संधारणीय संचालन के दिशा-निर्देशों को निर्धारित करने के लिए एक समिति का गठन किया है। समिति ने इस संबंध में आपसे सुझाव मांगे हैं।

(a) इस संबंध में उन सिद्धांतो और मूल्यों को निर्धारित कीजिए जो आपके सुझावों का मार्गदर्शन करेंगे।

(b) इस मामले में सामाजिक और पर्यावरणीय आवश्यकताओं में संतुलन स्थापित करने के लिए क्या कार्रवाई करनी चाहिए?

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उपर्युक्त प्रकरण खाद्य प्रसंस्कर उद्योग को स्थापित करने हेतु वनों का काटने एवं पर्यावरण की क्षति से संबंधित है। इसमें आर्थिक विकास की गतिविधियों के कारण मानव - वन्य जीव संघर्ष के बढ़ने से भी संबंधित है।

हितधारक →
- वन विभाग एवं संबंधित अधिकारी के रूप में मैं स्वयं।
- परियोजना का विकास कर्त्ता
- वनवासियों के आधिकारी अधिकार
- बाह्य क्षेत्र में रहने वाले लोगों के रोजगार के अवसर प्रभावित होंगे

इस संबंध में मार्गदर्शक सिद्धांत :-

1. निर्णय में वनक्षेत्र में निवास करने वाले पारंपरिक एवं बाह्य परिधि में

वाले लोगों की भागेदारी सुनिश्चित करना होगी।

2. लागत - लाभ सिद्धांत :- वनों की लागत पर उद्योगों के विकास से लाभ का मूल्यांकन करना। इसमें सामाजिक मूल्यांकन को भी शामिल करना।

3. एकीकृत रूप से वन एवं उद्योगों को देखना। इसमें उद्योगों के विकास एवं वनों के अन्यत्र विकास पर बल देना।

मूल्य :-

1. वस्तुनिष्ठता :- पूरे प्रकरण में तथ्यों के आधार पर उद्योग

की स्थापना पर बल देना। वनवासियों के अधिकारों पर भी ध्यान देना।

2. संवेदनशीलता एवं करुणा

3. समर्पण भाव :- स्थानीय लोगों एवं वनवासियों के प्रति आ एवं वन संरक्षण के अपने दायित्व के प्रति समर्पित होकर हितों की रक्षा करना।

4. जवाबदेहिता।

B. इस मामले में सामाजिक और पर्यावरणीय आवश्यकताओं में संतुलन स्थापित करने के लिए क्या कार्रवाई करनी चाहिए :-

इस संदर्भ में कमेटी को निम्न सुझाव दूंगा :-

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. इस संबंध में स्थानीय वनवासी एवं बाह्य परिधि के निवासी एवं सभी हितधारकों से सुझावों के आधार पर विस्तृत कार्य योजना तैयार की जाए।

2. वनवासियों को आर्थिक सहायता एवं संस्कृति का संरक्षण दिया जाए।

3. स्थानीय निवासियों को उद्योग की स्थापना में रोजगार उपलब्ध हो।

4. वनों के नुकसान की क्षतिपूर्ति हेतु कंपनी को कानूनी रूप से बाध्य बनाओं।

अतः लाभों को अधिकतम एवं हानि को कम करने पर बल दूंगा। कमेटी के समक्ष रिपोर्ट में सभी हितधारकों का ध्यान रखूंगा।

14. The RTI Act, which became operational in 2005 empowers the Indian citizens to seek information from public authorities. This, in effect, makes the Government and its functionaries more accountable and responsible. However, it has faced resistance because of the entrenched bureaucratic culture and it is taking time to change the mindset of the people in the government to new realities in wake of the act. This has led to implementation issues and questions have also been raised against the effectiveness of the act in achieving its desired objectives. Apart from this, certain issues related to the information seeker have also been raised from time to time.

In view of the innumerable challenges answer the following:

(a) Explain the importance of a transparent government system in a democracy, like India.

(b) Elaborate on the challenges that the implementation of RTI has faced, in the context of information seeker (demand-side) as well as those entrusted to give information (supply-side).

(c) Discuss the role that such a legislation can be expected to play given the ground realities in our country. How can it be ensured that such legislations are effective in achieving their envisaged objectives? **(20)**

2005 में लागू RTI अधिनियम भारतीय नागरिकों को लोक प्राधिकारियों से सूचना मांगने का अधिकार प्रदान करता है। यह प्रभावी रूप से, सरकार और इसके पदाधिकारियों को अधिक उत्तरदायी और जिम्मेदार बनाता है। परन्तु, इसे मोर्चाबद्ध नौकरशाही संस्कृति के विरोध का सामना करना पड़ रहा है और इस कानून के मद्देनजर नई वास्तविकताओं के प्रति सरकार के लोगों की मानसिकता परिवर्तित होने में समय लग रहा है। इसके कारण कार्यान्वयन में समस्या आ रही है और इच्छित उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए इस कानून की प्रभावकारिता पर भी सवाल उठ रहे हैं। इसके अतिरिक्त, सूचना मांगने वाले से संबंधित कुछ मुद्दे या विवाद भी समय-समय पर उठते रहे हैं।

अनगिनत चुनौतियों को देखते हुए निम्नलिखित के उत्तर दीजिए:

(a) भारत जैसे लोकतंत्र में एक पारदर्शी सरकारी तंत्र के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

(b) सूचना मांगने वाले (मांग-पक्ष) और जिन्हें सूचना देने का काम सौंपा गया है (आपूर्ति-पक्ष) उनके संदर्भ में RTI के कार्यान्वयन में जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, उनका विस्तार पूर्वक वर्णन कीजिए।

(c) अपने देश की धरातलीय वास्तविकताओं को देखते हुए, उस भूमिका की चर्चा कीजिए जिसे इस तरह के कानून द्वारा निभाया जाना अपेक्षित है। यह कैसे सुनिश्चित किया जा सकता है कि ऐसा कानून अपने उल्लिखित उद्देश्यों को प्राप्त करने में प्रभावी हो?

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

इस प्रकरण में सूचना के अधिकार 2005 के समक्ष चुनौतियों को बताया गया है। भारत में सूचना का अधिकार क्रमिक रूप से नागरिक आंदोलन के परिणामस्वरूप अधिनियमित हुआ है।

RTI
- उच्चतम न्यायालय SC ने इसे मूल अधिकार माना
- संसद ने कानून बनाकर विधिक अधिकार बनाया।
- जनता की सहभागिता ने प्रशासन को जवाबदेह बनाया।

(a) भारत जैसे लोकतंत्र में एक पारदर्शी सरकारी तंत्र के महत्व को Fuoc कीजिए :-

1. भ्रष्टाचार पर रोक लगाने में प्रभावी है।
2. जनता को नियमों एवं प्रक्रियाओं के प्रति जागरूक बनाता है।

3. सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में प्रभावी।
4. लोक निधि की जानकारी उपलब्ध करवाता है।

सूचना मांगने वालों की चुनौति :-

(1) अस्पष्ट सूचना प्रदान की जाती है।
(2) जागरूकता का अभाव
(3) ऑनलाइन आवेदन की संपूर्ण जानकारी न होना।

सूचना प्रदान करने वालों की चुनौति :-

1. संबंधित अधिकारियों को सूचना के अधिकार के संबंध में अधिक जानकारी नहीं है।
2. सूचना का डिजिटल फॉर्म में न होना।
3. सूचना प्रदान करने में विलंब एवं लापरवाही करना।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

*.
C. इस कानून द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका :-

- जनभागीदारी
- भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन
- सामाजिक अंकेक्षण के माध्यम से सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन
- जनता के प्रति सरकार एवं प्रशासन को उत्तरदायी बनाना
- वंचित वर्ग एवं सुभेद्य वर्गों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बनाना

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

कानून को उद्देश्य पूर्ति हेतु प्रावधान :

1. सूचना आयोगों में समयबद्ध एवं नियुक्ति।
2. स्वायत्तता प्रदान करना
3. पर्याप्त धन की व्यवस्था करना
4. संविधान संशोधन के माध्यम से सूचना के अधिकार को प्रभावी बनाया जा सकता है।
5. अपीलों के निवारण को समयबद्ध निपटाना।

समग्रतः हम कह सकते हैं "सूर्य सबसे बड़ा कीटनाशक है"

अतः पारदर्शिता भ्रष्टाचार के निवारण में सबसे प्रभावशाली हथियार है।